सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

अतिरिक्त जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भरतपुर (निस)। जिलाध्यक्ष एन.एस.यू.आई हरजीत सिंह सांखला के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर अति. जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा व मुख्यमंत्री ओ.एस.डी. को भी ज्ञापन सौंपा, प्रदेश सरकारी विद्यालयों के

- **लगातार भवन छत गिरने से नौनिहाल विद्यार्थियों का जीवन किसी अनहोनी दुर्घटना की संभावना से भरा रहता है**

जिलाध्यक्ष एन.एस.यू.आई हरजीत सिंह सांखला के नेतृत्व में छात्रों ने अति. जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंप कर सरकार की ओर से जर्जर भवनों की मरम्मत कराने की मांग की।

लगातार भवन छत गिरने से नौनिहाल विद्यार्थियों का जीवन किसी अनहोनी दुर्घटना की संभावना से भरा रहता है।

अभी झालावाड दुखांतिका के सदमें से प्रदेश उभरा नहीं था तब तक आपके गृह जिले भरतपुर में गत शनिवार को सेवर ब्लॉक के नगला भगत में इंग्लिश मीडियम के सरकारी विद्यालय की छत भरभराकर गिर पडी, गनीमत रही कि समय रहते बच्चों को बाहर निकाल लिया गया और जनहानि होने से बच गयी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। मुख्यमंत्री आज स्थिति यह हो गई है कि माता-पिता अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजने से कतराने लगे हैं। किसी न किसी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। आदरणीय मुख्यमंत्री हम आपसे मांग करते हैं कि भरतपुर जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में नवीन बिल्डिंग बनवाई जायें। साथ ही इन हादसा में जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्यवाही की जाये। भरतपुर जिले में विद्यालयों का विशेष सर्वे कराकर नई बिल्डिंग बनवाकर नौनिहाल बच्चों का जीवन संभारने का कार्य करें।

एनएसयूआई मांग करती है कि भरतपुर शहर के जितने भी विद्यालय, कॉलेज हैं जिनका सर्वे कराकर जांच करवाई जाये तथा उच्चाधिकारियों की कमेटी बिठाई जाये।

कृषि में डिजिटल नवाचार पर जोर

भरतपुर (निस)। भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर में कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार का सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीने राष्ट्र को संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहानभी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नेस्वस्थ जीवन के लिए जैविक आहार (ऑर्गेनिक डाइट)को अपनाने पर विशेष बल दिया। वेबिनार के दौरान कृषि क्षेत्र में डिजिटल नवाचारों और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से 'भारत विस्तार', नारियल प्रोत्साहन योजना, राष्ट्रीय काजू एवं कोको विकास कार्यक्रम, तथा ड्राई फ्रूट्स एवं चंदन के विकास की भावी रणनीतियाँ प्रमुख रहीं।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. वी.वी. सिंहने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न उद्यिमता विकास कार्यक्रमों तथा मूल्य संवर्धन गतिविधियोंके माध्यम से किसान उत्पादक संगठनों को विशेष लाभ मिल सकता है। कार्यक्रम में डॉ. पी.डी. मीणा, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, पादप संरक्षण इकाई, डॉ. आर.एस. जाट, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन इकाई, सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त आसपास के विभिन्न गांवों से जुड़े किसानों ने भी वेबिनार में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालनडॉ. राज कुमार योगी, वरिष्ठ वैज्ञानिकने किया।

विराटनगर क्षेत्र की बेटी दीप्ति वर्मा का भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन

पावटा/जयपुर । विराटनगर तहसील के गांव तेवड़ी की होनहार बेटी दीप्ति वर्मा पुत्री दौलतराम बुनकर ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में 876वीं रैंक

- **दीप्ति वर्मा ने यूपीएससी में हासिल की 876वीं रैंक**
- **बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही दीप्ति ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की**

विराटनगर तहसील के गांव तेवड़ी की होनहार बेटी दीप्ति वर्मा ।

हासिल कर क्षेत्र, समाज और परिवार का नाम रोशन किया है। दीप्ति की इस उपलब्धि से पूरे इलाके में खुशी और गर्व का माहौल है। दीप्ति वर्मा के पिता दौलतराम बुनकर शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनकी माता माया देवी गृहिणी हैं। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली दीप्ति ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से यूपीएससी को पास कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। दीप्ति वर्मा का परिवार वर्तमान जयपुर के न्यू लोहा मंडी में रहता है।

दीप्ति वर्मा के माता-पिता ने बताया जा रहा है कि दीप्ति वर्मा चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही दीप्ति ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी दिल्ली में रहकर की और कड़ी मेहनत के बाद यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया। वर्तमान में दीप्ति वर्मा अपने परिवार के साथ जयपुर में निवास कर रही हैं। उनकी सफलता की खबर मिलते ही गांव तेवड़ी, पूरे विराटनगर क्षेत्र और जयुपर में खुशी की लहर दौड़ गई। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलदीप धनकड़, जयपुर के मेहता स्कूल के निदेशक रामबाबू मेहता, जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों, समाज के लोगों और शुभचिंतकों ने दीप्ति व उनके परिवार को बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताया। दीप्ति वर्मा ने अपनी इस बड़ी उपलब्धि का श्रेय जगतगुरु संत रामपाल महाराज के अनमोल ज्ञान और आशीर्वाद को देते हुए कहा कि उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग से ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि दीप्ति वर्मा की सफलता से ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को भी बड़ी प्रेरणा मिलेगी और वे भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने सपनों को साकार करेंगी। दीप्ति की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे विराटनगर क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है।

दीप्ति वर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम तेवड़ी के सरकारी विद्यालय से शुरु की। इसके बाद 12वीं कक्षा जयपुर के हरमाड़ा के मेहता पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल से उत्तीर्ण की। इसके बाद स्नातक जयपुर के महारानी कॉलेज से उत्तीर्ण की और यूपीएस की तैयारी दिल्ली से की। दीप्ति वर्मा ने एक छात्रा रहते हुये यूपीएससी की तैयारी की और सफलता प्राप्त की और अपने परिवार व समाज का नाम रोशन किया।

रामाश्रय वार्ड शुरु

टोंक । मुख्यालय स्थित सआदत जिला हॉस्पिटल में शुक्रवार को रामाश्रय वार्ड का आगाज हुआ, इस दौरान वार्ड में 60 साल से अधिक उम्र के मरीजों को एक ही छत के नीचे ओपीडी, स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स के परामर्श, फ्री जांच और दवा मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बुजुर्ग मरीजों को समर्पित रामाश्रय वार्ड का शुभारंभ किया।

इस दौरान चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि कैंप के जरिए 60 साल से अधिक उम्र के सभी नागरिकों को एक ही स्थान पर स्पेशलिस्ट डॉक्टर जांच करेंगे, परामर्श देंगे, फ्री दवा मुहैया कराएंगे। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने तय किया है कि बुजुर्गों को हॉस्पिटल में सुगम इलाज मिले।

सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि सम्मान, भरोसा और मानसिक सुकून भी मिले। चौहान ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों को बेहतर हेल्थ सेवाएं मुहैया कराना है, रामाश्रय वार्ड सिर्फ स्वास्थ्य योजना नहीं, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। इस अवसर पर पीएमओ हनुमान प्रसाद बैरवा,जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, शम्भू शर्मा, कमलेश यादव, सोनू परिडवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

गृह रक्षा स्वयंसेवकों की भर्ती 26 से

दौसा। राज्य गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र अलवर के अंतर्गत दौसा जिले के अभ्यर्थियों की गृह रक्षा स्वयंसेवकों के लिए भर्ती प्रक्रिया 26 मार्च से 31 मार्च तक पुलिस परेड ठाउंड, पुलिस लाइन अलवर में आयोजित की जाएगी।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र दौसा के कमाण्डेन्ट डॉ. अमन रूस्तगी ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया गृह रक्षा निदेशालय द्वारा गठित चयन समिति (बोर्ड) के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। चयन समिति में केन्द्र व गण के समादेष्टा, गृह रक्षा महानिदेशक के प्रतिनिधि तथा जिला पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। उन्होंने बताया कि दौसा जिले के 87 रिक्त पदों के विरुद्ध 22,205 अभ्यर्थी शामिल होंगे। कमाण्डेन्ट ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को मोबाइल पर एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से सूचना भेजी जाएगी।

इसके बाद अभ्यर्थी दिए गए लिंक या विभागीय वेबसाइट ://---/ पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। नामांकन प्रक्रिया के लिए अलग-अलग जिलों के अभ्यर्थियों को अलग-अलग तिथियों पर बुलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर आवश्यक मूल दस्तावेज जैसे जिले का मूल निवास प्रमाण-पत्र, आयु प्रमाण-पत्र, शैक्षिणक योग्यता प्रमाण-पत्र, विशेष योग्यता प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, चिकित्सा प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, पुलिस सत्यापन प्रमाण-पत्र तथा प्रवेश पत्र के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

नामांकन स्थल पर प्रवेश के बाद किसी भी अभ्यर्थी को ठाउंड से बाहर जाकर दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी के लिए गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के दूरभाष नंबर 0144-2338579 (जिला अलवर) एवं 01427-220990 (जिला दौसा) पर संपर्क किया जा सकता है।

लंबित मामलों की समीक्षा, त्वरित निस्तारण के निर्देश

दौसा। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जिला कलक्टर ने सभी तहसीलदारों को चरागाह भूमि से जुड़े अतिक्रमण प्रकरणों में दर्ज मामलों में संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी करने तथा नियमानुसार अतिक्रमण हटाकर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए।

उन्होंने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त सहायता से जुड़े प्रकरण पर प्रस्ताव एवं तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने, तात्कालिक मरम्मत कार्यों के बिल संबंधित कार्यकारी एजेंसी से प्राप्त कर उपखण्ड स्तरीय समिति से प्रमाणित कर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करते हुए भुगतान के लिए भेजने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा जिला कलक्टर ने निर्धारित मानकों के अनुसार अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण, रात्रि विश्राम एवं चौपाल कार्यक्रमों की समीक्षा की।

उन्होंने प्रतिदिन की जनसुनवाई में प्राप्त विशिष्ट प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से भेजने तथा उपखण्ड स्तर पर ई-फाइल प्रणाली और जनआधार नामांकन एवं अद्यतन के लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने विभिन्न आयोग तथा मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई कर रिपोर्ट भेजने को कहा। साथ ही जनलेखा समिति द्वारा लिए गए महालेखाकार निरीक्षण प्रतिवेदनों के बकाया आक्षेपों की पालना रिपोर्ट शीघ्र भिजवाने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, नगर विकास न्यास सचिव मूलचंद लूणिया, दौसा उपखंड अधिकारी संजू मीणा, तहसीलदार गजानंद मीणा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिले के अन्य उपखण्ड अधिकारी और तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम जुडे हुए थे।